9th CMS vatavaran
International Film Festival and Forum on Environment & Wildlife
25-26 FEBRUARY 2021 | UTTARKASHI 2021
TRAVELLING

PRESS RELEASE

Unique Green Film Festival and Forum being organised first time at Uttrakashi

February 24, 2021. A two-day green film festival and forum is being organised for the first time at Uttarkashi in Uttrakhand on February 25 & 26, 2021. This is being organised by SECURE HIMALAYA project of UNDP with support from the Uttrankhand Government & Ministry of Environment, Forest & Climate Change (MOEFCC), GOI and CMS VATAVARAN.

This is part of a series of '9th CMS VATAVARAN Travelling Film Festival and Forum' in four Himalayan cites of Uttarkashi, Gangtok, Shimla and Leh. The idea behind this festival and forum is to support this unique green movement for conservation through using films, festivals and forums. Outreach and engage with to cross section of stakeholders, including Government of India, Media, Conservation organizations, Experts, Academics, Corporations, Youth and general public and to provide a platform for showcasing the SECURE Himalayas initiatives and programs.

Key Highlights of the Uttarkashi festival:

- **Inauguration** by the District Magistrate Mr Mayur Dixit and DFO Mr Deep Chand Arya and Dr Vasanti Rao, DG CMS, New Delhi
- Inaugural film screening – "**Heroes of the Wild Frontiers: The Return of the Shan**", by Award winning film maker Mr Krishnendu Bose
- **Screenings of Nominated/Awarded films** on various environment & wildlife issues, at multiple venues in the city, including at the Collectorate Auditorium, GPG College, Kendriya Vidhyala, Nehru Institute of Mountaineering and ITBP
- On the **spot quiz competition** on environment for school children during film screenings
- **Competitions of drawing and painting** for students / youth.
- **Workshop on Green Film Making** by eminent film maker Mr Anoop Khajuria.
- Seminar for Media Professionals on "**Climate Change Reporting and its impact on Himalayan Ecosystem**"

Speaking on this occasion, CMS DG Dr Vasanti Rao said, "*The Himalayas are very sensitive and need special conservation efforts by all, even every citizen. This was clearly the message from the recent Chamoli disaster. Such brazen violation and greed has made every city in the Himalayas waiting for disaster to occur. Such festivals are occasion to celebrate the beauty & biodiversity, and also introspect/discuss what we all collectively can do conserve the same. We invite all residents and nature lovers to attend this two-day festival*."

--

The Government of India and **United Nations Development Programme (UNDP),** with support from the Global Environment Facility, are implementing a programme in the high altitude Himalayas entitled "SECURE Himalayas - Securing livelihoods, conservation, sustainable use and restoration of high range Himalayan ecosystems", to ensure conservation of locally and globally significant biodiversity, land and forest resources in the high Himalayan ecosystem, while enhancing the lives and livelihoods of local communities. The project promotes sustainable management of alpine pastures and forests in the high range Himalayan ecosystems to secure conservation of globally significant wildlife, including endangered snow leopard and their habitats to ensure sustainable livelihoods and socio-economic benefits for communities in the selected high altitude landscapes in the Trans- and Greater Himalayan regions.

CMS VATAVARAN is India's premier environment and wildlife film festival and forum – it is aimed towards enhancing understanding, appreciation and shift in attitudes towards the natural world and to increase space for environmental issues in mass media and evolve a nationwide environment outreach framework. The festival taps into an important motivating factor for audiences everywhere: the emotional draw of connecting with a compelling story or character. The festival reaches out to people from all walks of life including filmmakers, civil society groups, government organizations, environmentalists, researchers, conservationists, policy makers, activists, public and private sector organizations and students of all ages and is recognized as a calendar event amongst filmmakers, environment, wildlife and conservation sector. Its unique twin track approach of organizing competitive and traveling film festivals and environment forum has positioned it as one of the most prestigious film festivals across the globe. Since its inception in 2002, ten competitive and 52 travelling festivals in 41 cities of 25 Indian states have been organized. *Website: www.cmsvatavaran.org*

For more information, please contact Ms. Niti Sinha, 91-9582254613 or nitisinha@cmsindia.org

प्रेस विज्ञप्ति

उत्तरकाशी में पहली बार एक अनोखा हरित फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है|

24 फ़रवरी 2021

25 और 26 फरवरी, 2021 को उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी में पहली बार दो दिवसीय हरित फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।उत्तराखंड सरकार द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन यूएनडीपी के सिक्योर हिमालय परियोजना, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और सीएमएस वातावरण, नई दिल्ली के समर्थन से किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम सी एम एस वातावरण के चलित फिल्म महोत्सव एवं संगोष्ठी के नवमी श्रंखला का हिस्सा है जिसे हिमालय परिच्छेत्र के चार शहरों उत्तरकाशी, गंगटोक, शिमला और लेह में आयोजित किया जायेगा। इस फिल्मोत्सव और संगोष्ठी का उद्देश्य फिल्मों, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों के द्वारा पर्यावरणीय संरक्षण के अनूठे हरित आंदोलन का समर्थन करना है। ये फिल्मोत्सव भारत सरकार सहित विभिन्न हितधारकों जैसे मीडिया, संरक्षण संगठनों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निगमों, युवाओं और आम जनता को अपने आयामों से निकल कर व्यापक रूप में जुड़ने और "सिक्योर हिमालय" की पहल और कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है।

उत्तरकाशी कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

- जिलाधिकारी श्री मयूर दीक्षित और डीएफओ श्री दीप चंद आर्य तथा डॉ वासंती राव, प्रबंध निदेशिका सीएमएस, नई दिल्ली द्वारा उद्घाटन
- राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्म निर्माता श्री कृष्णेंदु बोस द्वारा निर्मित फिल्म "हीरोज़ ऑफ़ द वाइल्ड फ्रंटियर्स: द रिटर्न ऑफ़ द शान" का उद्घाटित फिल्म के रूप में प्रदर्शन
- कलेक्ट्रेट सभागार, जीपीजी कॉलेज, केन्द्रीय विद्यालय, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान और आईटीबीपी सहित शहर के कई स्थानों पर विभिन्न पर्यावरण और वन्यजीव मुद्दों पर नामांकित / पुरस्कृत फिल्मों का प्रदर्शन
- फिल्म प्रदर्शन के दौरान स्कूली बच्चों के लिए पर्यावरण पर त्वरित क्विज प्रतियोगिता
- छात्रों एवं युवाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता श्री अनूप खजूरिया द्वारा पर्यावरण फिल्म निर्माण कार्यशाला।
- "जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका प्रभाव" विषय पर मीडिया पेशेवरों एवं पत्रकारों के लिए संगोष्ठी का आयोजन

इस अवसर पर बोलते हुए, सीएमएस की प्रबध निदेशिका डॉ वासंती राव ने कहा कि “हिमालय छेत्र बहुत ही संवेदनशील है और इसे विशेष संरक्षण के प्रयासों की आवश्यकता है जिसमे आम नागरिकों की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है। हाल ही में घटी चमोली विभीषिका इसका एक स्पष्ट सन्देश देती है। पर्यावरण के प्रति इस तरह की गैरजिम्मेदाराना और लालची व्यवहार ने हिमालय के हर शहर को आपदा के कगार पर ला कर खड़ा कर दिया है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल प्रकृति की सुंदरता और जैव विविधता का जश्न मनाने के अवसर होते हैं बल्कि हम सभी सामूहिक रूप से और क्या कर सकते हैं, इस पर भी चर्चा करने का अवसर प्रदान करते हैं। मैं इस अवसर पर सभी उत्तरकाशी निवासियों और प्रकृति प्रेमियों को इस दो दिवसीय उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित करती हूँ ।”

--

ग्लोबल इन्भाइरमेंट फैसिलिटी (जीइऍफ़) के समर्थन के साथ भारत सरकार और **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)** उच्च ऊंचाई वाले हिमालय परिच्छेत्र में स्थानीय स्तर पर समुदायों के जीवन और आजीविका को बढ़ाते हुए, उच्च हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में स्थानीय और विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण जैव विविधता, भूमि और वन संसाधनों के संरक्षण को सुनिश्चित करना केलिए एक कार्यक्रम को लागू कर रहे हैं, जिसका नाम है "सिक्योर हिमालय" - सिक्योरिंग लाभलीहुड, कंजर्वेशन, सस्टेनेबल यूज एंड रेस्टोरेशन ऑफ़ हाई रेंज हिमालयन इको सिस्टम (आजीविका, संरक्षण, स्थायी उपयोग और उच्च श्रेणी के हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र की पुनर्स्थापना)”।

सीएमएस वातावरण भारत का एक महत्वपूर्ण पर्यावरण एवं वन्यजीव फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी मंच है - इसका उद्देश्य प्राकृतिक दुनिया के प्रति दृष्टिकोण में समझ, प्रशंसा और बदलाव को बढ़ाने तथा जनसंचार माध्यमों में पर्यावरण के मुद्दों को और महत्वपूर्ण बनाने हेतु एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता एवं विमर्श की रूपरेखा को तैयार करना है। यह कार्यक्रम हर जगह दर्शकों को इस महत्वपूर्ण विषय से एक फिल्म के आकर्षक कहानी या चरित्र की मदद से भावनात्मक रूप से जुड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कार्यक्रम फिल्म निर्माताओं, नागरिक समाज समूहों, सरकारी संगठनों, पर्यावरणविदों, शोधकर्ताओं, संरक्षणवादियों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों और सभी उम्र के छात्रों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचता है और इसे फिल्म निर्माताओं, पर्यावरण, वन्यजीव और संरक्षण क्षेत्र में काम करने वालों द्वारा देश के एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में मान्यता दी जाती है। प्रतिस्पर्धी एवं यात्रा फिल्म समारोहों और पर्यावरण संगोष्ठियों के आयोजन के अपने अद्वितीय द्वी स्तरीय कार्यक्रम दृष्टिकोण ने इसे दुनिया भर में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक के रूप में प्रसिद्ध किया है। 2002 में अपनी स्थापना के बाद से अबतक इसने 25 भारतीय राज्यों के 41 शहरों में दस प्रतिस्पर्धी और 52 यात्रा-फिल्मोत्सव आयोजित किए हैं। वेबसाइट: ***www.cmsvatavaran.org***

अधिक जानकारी के लिए नीती सिन्हा से संपर्क करें 91-9582254613 or nitisinha@cmsindia.org